गीत - पति पत्नी का रिश्ता (वर्तमान के संदर्भ में)

तर्ज एवं लय - ओ मेरे दिल के चैन .....

(ओ मेरे दिल के चैन ..... चैन आये मेरे दिल को दुआ कीजिये)

पति के बोल - ओ मेरी पत्नीजी ..... **Whatsapp** छोड़कर
मुझ पर भी ध्यान दीजिये .....

पत्नी के बोल - ओ मेरे पतिजी ..... **Busy** रहने का ये है अंजाम देखिए .....

अंतरा (1)

(1) **(पति की जुबानी)**
(यूँ तो अकेला भी अक्सर गिर के संभल सकता हूँ मैं)
याद करो ..... वो प्यारे दिन जब तुम नई दुल्हन थी
(तुम जो पकड़ लो हाथ मेरा दुनिया बदल सकता हूँ मैं)
घूंघट था परंपरा थी संस्कारों का सृजन थी
(मांगा है तुम्हें ..... दुनिया के लिये .....)
अब तो सूट और जीन्स पसंद है ..... बस शॉपिंग .....
(अब खुद ही सनम फैसला कीजिये)
किट्टी पार्टी और दोस्तों को टाईम थोड़ा कम दीजिये .....
ओ मेरी पत्नीजी ..... फेसबुक छोड़कर मुझ पर भी ध्यान दीजिये

अंतरा (2)

(2) **(पत्नी की जुबानी)**
(आपका अरमा आपका नाम मेरा तराना और नहीं)
ओ मेरे दिलबर तुम भी तो अक्सर ऑफिस में रहते हो
(इन झुकती पलकों के सिवा दिल का ठिकाना और नहीं)
सब रिश्तों को अनदेखा कर पैसा है कमाना कहते हो
(जंचता ही नहीं आँखो में कोई)
बस मोबाइल ..... और कॉल ..... ये है घर का हाल .....
(दिल तुमको ही चाहे तो क्या कीजिये)
मेरी कमियों के साथ खूबियों को भी देख लिजिये .....
ओ मेरे पतिजी ..... **Busy** रहने का ये है अंजाम देखिए .....

Scanned by CamScanner

अंतरा (3)

(3) (पति पत्नी दोनों की जुबानी)

(अपना ही साया देख के तुम जाने जहाँ शरमा गये)

पति - समय जरुर बदला पर पति-पत्नी ... आज भी जन्मों के साथी हैं .....

(अभी तो ये पहली मंजिल है तुम तो अभी से घबरा गये)

पत्नी - एक-दूसरे के पूरक है .. दोनों जैसे दिया-बाती हैं

(मेरा क्या होगा .. सोचो तो जरा ..)

पति - प्यार है ..... आज भी ..... बस तरीका ..... बदल गया .....

(हाय ऐसे ना आहें भरा कीजिये)

पत्नी - माडर्न हो गये हैं दोनों ..... नये प्यार की परिभाषा लिये .....

ओ मेरी पत्नीजी ... **Whatsapp, Facebook** छोड़कर जरा मुझ पर भी ध्यान दीजिये .....

ओ मेरे पतिजी ..... **Busy** रहने का ये है अंजाम देखिए .....

अंतरा (4)

(4) (पति पत्नी दोनों की जुबानी)

(आपका अरमा आपका नाम मेरा तराना और नहीं)

पत्नी - चलो अब मिलकर हम दोनों ..... सात वचनों को निभायेंगे .....

(इन झुकती पलकों के सिवा दिल का ठिकाना और नहीं)

पति - इक-दूसरे का सम्मान करेंगे ..... प्यार भरा जीवन बितायेंगे .....

(जंचता ही नहीं आँखो में कोई)

पत्नी - तुम्हारी छबि मैं बनूं ..... मेरी छबि तुम बनना .....

(दिल तुमको ही चाहे तो क्या कीजिये)

पति - हर युग में इस पावन रिश्ते को अमर कीजिये .....

ओ मेरी पत्नीजी .....

ओ मेरे पतिजी .....

शादी की हर कसम का सम्मान कीजिये .....

नोट- ..... का मतलब लय को खींचना है ।

नाम - शालिनी सौरभ चितलांग्या

मोबाइल - 9926710007, 9893419916

शहर - राजनांदगांव

प्रदेश - छत्तीसगढ़

पिन कोड - 491441

Scanned by CamScanner